मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 332
गुरुवार, 26 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आगरा में बनेगा इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर, पुणे में होगा मेट्रो का विस्तार, कैबिनेट की बैठक में लिए गए बड़े फैसले

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को आपातकाल की घोषणा की 50वीं वर्षगांठ मनाने का संकल्प लिया। कैबिनेट ने उन अनगिनत नागरिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने आपातकाल के दमनकारी शासन और भारतीय संविधान के सार को दबाने के उसके प्रयास के खिलाफ बहादुरी से खड़े हुए। यह स्वीकार करते हुए कि लोकतांत्रिक सिद्धांतों का क्षरण 1974 में ही नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान पर कार्रवाई के साथ शुरू हो गया था, कैबिनेट ने बुधवार को अपनी बैठक के दौरान दो मिनट का मौन भी रखा।

इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को याद करने के अलावा, कैबिनेट ने कई प्रभावशाली विकास पहलों को भी मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सत्र के दौरान लिए गए तीन महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। संशोधित झरिया मास्टर प्लानः झारखंड के झरिया में भूमिगत कोयला आग की लंबे समय से चली आ रही समस्या को संबोधित करते हुए, प्रभावित समुदायों को राहत पहुंचाने और पर्यावरण संतुलन को बहाल करने के लिए 5,940 करोड़ रुपये की संशोधित योजना को मंजूरी दी गई।

आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्रः कृषि के क्षेत्र में एक अनूठा कदम उठाते हुए, मंत्रिमंडल ने आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की स्थापना के लिए 111 करोड़ रुपये को मंजूरी दी। इस कदम से देश भर में आलू की खेती में नवाचार और उत्पादकता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2025 संविधान हत्या दिवस के 50 वर्ष पूरे होंगे - भारत के इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय जहां संविधान को नष्ट कर दिया गया, भारत के गणतंत्र और लोकतांत्रिक भावना पर हमला किया गया, संघवाद को कमजोर किया गया और मौलिक अधिकारों, मानव स्वतंत्रता और गरिमा को निलंबित कर दिया गया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री को पद से हटाने की साजिश रची जा रही है : अशोक गहलोत

जयपुर, 25 जून। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने बुधवार को दावा किया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने की साजिश रची जा रही है और कहा कि अगर भाजपा नेता सावधान नहीं रहे तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री रह चुके गहलोत ने जोधपुर दौरे के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने की साजिश रची जा रही है। राजस्थान और दिल्ली, दोनों जगह उनकी पार्टी के लोग इस काम में लगे हैं, लेकिन वह अनजान बने हुए हैं, जबकि हम बार-बार यह कह रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शर्मा अगर किसी भ्रम में रहे तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा। शर्मा सरकार के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में स्थिति गंभीर है।

उन्होंने कहा, राजस्थान में स्थिति गंभीर है और लोग पीड़ित हैं। अगर वे (राज्य की भाजपा सरकार) जन सुनवाई शुरू करेंगे तो उन्हें पता चल जाएगा कि जनता क्या चाहती है।

कांग्रेस नेता ने कहा, चापलूसों ने मुख्यमंत्री को घेर लिया है और लगातार उनकी सरकार को महान बताकर उनकी सराहना कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने वाले वास्तव में भ्रम में हैं और उन्हें गुमराह कर रहे हैं। गहलोत ने भाजपा की निंदा करते हुए कहा कि वह बार-बार कांग्रेस के खिलाफ आपातकाल का मुद्दा उठा रही है। गहलोत ने कहा, लेकिन इंदिरा गांधी की लहर (1980 में) में कांग्रेस भारी बहुमत से जीती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा आपातकाल का फायदा उठाना चाहती है, लेकिन वह सफल नहीं होगी।

ईडी ने धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में की छापेमारी

नई दिल्ली, 25 जून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश के अलग-अलग स्थानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एससीटीएल) और उसके प्रमोटरों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 9 स्थानों और पंजाब के लुधियाना में 1 स्थान पर तलाशी ली गई। यह मामला आईडीबीआई बैंक लिमिटेड और अन्य कंसोर्टियम बैंकों के खिलाफ लगभग 988 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ा है। आरोप है कि एससीटीएल के प्रमोटरों और उनके सहयोगियों ने बैंक से लिए गए लोन और डेवलपिंग एलसी की रकम को फर्जी ट्रांजैक्शन के जरिए विदेश भेज दिया। सूत्रों ने बताया कि शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसीटीएल) कंपनी के प्रवर्तकों और कुछ संबद्ध संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों ने कहा कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दिल्ली-एनसीआर में नौ परिसरों और जालंधर में एक परिसर पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि धन शोधन का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से सामने आया है, जिसमें एससीटीएल के प्रवर्तकों और अन्य सहयोगियों द्वारा आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के एक संघ से 988 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

काशी में भगवान जगन्नाथ हुए स्वस्थ, 15 दिन बाद भक्तों को मिला दर्शन

- ◆रथ खींचने से मिलता है मोक्ष का मार्ग : श्रद्धालु बोले : 350 वर्षों से चल रही काशी की परंपरा
- ◆रथयात्रा मेला 27 से 29 जून तक, तैयारियां पूर्ण

सुरेश गांधी

वाराणसी। धर्म और आस्था की नगरी काशी के जगन्नाथ मंदिर में बुधवार को उस समय श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा, जब 15 दिनों के विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथ ने प्रातः 5 बजे भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर के कपाट खुलते ही ह्लजय जगन्नाथह्व के उद्घोष गूंज उठे। पुजारियों के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा को अधिक जलाभिषेक के कारण भगवान अस्वस्थ हो गए थे, जिसके बाद से 15 दिनों तक उन्हें काढ़े का भोग अर्पित किया गया। भगवान के स्वस्थ होने की घोषणा के साथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना हुई। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. राधेश्याम पांडे ने बताया, भगवान का आज पंचामृत स्नान कराकर सफेद पुष्पों और वस्त्रों से विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान को परवल के जूस का भोग लगाया गया, जिससे उन्हें शीतलता मिलती है। आरती के बाद पंचामृत का प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। परंपरा अनुसार भगवान को परवल के जूस का भी भोग लगाया गया। सैकड़ों वर्ष पुराना लकड़ी का रथ भगवान के लिए विशेष रूप से सजाया गया है। रथ खींचने के लिए श्रद्धालु अभी से उत्साहित हैं। मान्यता है कि रथ खींचने मात्र से ही भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है. गुरुवार, 26 जून को भगवान की पालकी निकलेगी, जो अस्सी स्थित मंदिर से प्रस्थान कर द्वारकाधीश मंदिर पहुंचेगी। 27 जून से तीन दिवसीय रथयात्रा महोत्सव की शुरूआत होगी। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे और भक्तों को दर्शन देंगे। लक्सा निवासी श्रद्धालु सुरभि मिश्रा कहती हैं : हर साल रथ खींचती हूं। मान्यता है कि रथ खींचने से जीवन के पाप कटते हैं और भगवान का आशीर्वाद मिलता है। पुरी नहीं जा पाई तो क्या, काशी में ही भगवान मिल जाते हैं। कहा जाता है कि काशी की यह रथयात्रा परंपरा लगभग 350 वर्षों से जारी है। पुरातन लकड़ी के रथ पर भगवान सवार होकर भ्रमण करते हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि रथ खींचने मात्र से पुण्य की प्राप्ति होती है। मंदिर समिति के सदस्य विनोद चतुर्वेदी ने बताया, ह्लयह केवल परंपरा नहीं, काशी की आत्मा है। यहां भगवान पुरी की ही तरह भक्तों को दर्शन देते हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैंह्व मान्यता है कि जो भक्त जगन्नाथ पुरी नहीं जा पाते, वे काशी में भगवान के रथयात्रा में सम्मिलित होकर वही पुण्य अर्जित करते हैं। काशीवासियों को भगवान के रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के लिए गौरवपूर्ण उपबलब्धि, युवाओं के लिए प्रेरणाः सिद्धरमैया

कर्नाटक, 25 जून। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 के सुरक्षित और सफल मिशन की कामना करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया।

रूसी अंतरिक्ष यान के जरिये प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के 41 साल बाद किसी भारतीय की यह यात्रा हो रही है। सिद्धरमैया ने एक्स पर कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन पर अंतरिक्ष में जाते हुए देखकर बहुत खुशी हुई। उनकी यात्रा भारत के लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है और हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा है।उन्होंने कहा, मैं उन्हें और एक्स-4 टीम को सुरक्षित और सफल मिशन की शुभकामनाएं देता हूं। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने इसे भारत के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 41 साल बाद तिरंगा अंतरिक्ष में लौट रहा है। एक्सिओम मिशन 4 के मिशन पायलट विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने पर हार्दिक बधाई। शिवकुमार ने एक्स पर लिखा, आपकी (शुक्ला की) यात्रा सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धित नहीं है - यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। आपको सुरक्षित, सफल मिशन और शानदार वापसी की शुभकामनाएं। जय हिंद! प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने शुक्ला को बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया।

पानी के टैंक में डूबने से मामा-भांजी की मौत

घड़साना। राजस्थान के घड़साना इलाके में बुधवार को पानी भरते समय 30 वर्षीय युवक और उसकी 15 वर्षीय भांजी की टैंक में डूबने से मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हादसा घड़साना के 7एमएलडी गांव में उस समय हुआ जब राशिद खान और उनकी भांजी रहमत टैंक से पानी भर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोनों कथित तौर पर फिसलकर टैंक में गिर गए और डूब गए। थानाधिकारी महावीर बिश्नोई और तहसीलदार बबीता ढिल्लों स्थानीय अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को टैंक से निकाल लिया गया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ कुमांउ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में हुए बेहोश

उत्तराखंड। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को यहां कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान बेहोश हो गए। उपराष्ट्रपति भाषण देने के बाद मंच से नीचे उतरकर दर्शकों में बैठे अपने पूर्व संसदीय सहयोगी महेंद्र सिंह पाल की तरफ बढ़े।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पाल 1989 में लोकसभा सदस्य रह चुके हैं और उस दौरान धनखड़ राजस्थान के झुंझनू से सांसद थे।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

-ललित गर्ग

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्न होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, ह्लओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।ह्व बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्त्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो ?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के ?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा। नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतदेर्शीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

हिंदू मां-बहनों-बेटियों को बचा लीजिए पीएम साहब, लाचार पाकिस्तानी हिंदू की अपील

अशोक भाटिया

सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तान सिंधी हिंदू का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक बुजुर्ग व्यक्ति भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से हिंदू लड़कियों को बचाने की अपील कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर देखने वालों की आँखों में आंसू आ रहे है ।

हाल ही में प्राप्त पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ अत्याचार की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शाहदादपुर में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। 22 वर्षीय जिया बाई, 20 वर्षीय दिया बाई और 16 वर्षीय दिशा बाई के अलावा, इन तीनों बहनों के 13 वर्षीय भाई हरजीत कुमार को किडनैप कर इस्लाम कबूल करवाया गया। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवस्थित उत्पीड़न पर सवाल उठाए हैं। बच्चों की मां न्याय के लिए भटक रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सिंध प्रांत के शाहदादपुर में हुई, जहां इन चारों भाई-बहनों को अगवा कर लिया गया। पीड़ितों की मां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय कंप्यूटर शिक्षक फरहान खासखेली पर बच्चों को बहकाने और अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने आंखों में आंसू लिए कहा, ₹मेरे पास तीन बेटियां थीं, और फरहान ने उन सभी को ले लिया।₹ मां ने विशेष रूप से अपने 13 वर्षीय बेटे की वापसी की गुहार लगाई, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इतनी छोटी उम्र में धर्म के बारे में समझने में सक्षम नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की।

यह घटना कोई अलग-थलग मामला नहीं है। सिंध और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में हिंदू लड़कियों और हाल ही में लड़कों के अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और उनके अपहरणकर्ताओं से विवाह की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह धार्मिक अतिवाद, पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्थागत उदासीनता का परिणाम है। हिंदू समुदाय के लिए, विशेष रूप से सिंध में, अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर एक निरंतर छाया की तरह बना हुआ है। 2016 में सिंध प्रांतीय विधानसभा ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन धार्मिक दलों के विरोध के कारण यह प्रभावी नहीं हो सका। इस तरह की घटनाओं से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कानूनी संरक्षण की कमी उजागर होती है।

कुछ समय पूर्व ही पाकिस्तान में उनके खिलाफ हुए अत्याचारों के कारण वहां से भागकर आए सिंधी हिंदू समुदाय के अधिकांश परिवारों ने पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों के लिए कठोरतम सजा की मांग की है। इस हमले में 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान चली गई थी। उनकी मांगें ऐसे समय में आई हैं जब वे भारतीय नागरिकता के लिए इंतजार कर रहे हैं और उन्हें डर है कि हमले के जवाब में भारत द्वारा सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए जाने के बाद उन्हें वापस पाकिस्तान भेज दिया जाएगा। हालाँकि, दीर्घकालिक, आधिकारिक या राजनयिक वीजा रखने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को इस आदेश से छूट दी गई है।

गौरतलब है कि हमले के बाद महाराष्ट्र के उल्हासनगर से पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए 17 लोगों को पड़ोसी देश वापस भेजे जाने के कुछ दिनों बाद, कई शरणार्थी निर्वासन के भय के बीच भारतीय नागरिकता का इंतजार कर रहे हैं। सिंधी हिंदू संदीप कुमार ने कहा, ₹मेरा परिवार सिंध में कभी सुरक्षित नहीं रहा, क्योंकि हम वहां अल्पसंख्यक थे। मेरी दो बहनें और मेरी मां भारत आईं और शरण मांगी तथा भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया। जब हमने पहलगाम हमले के बारे में सुना, तो हमने

इसकी निंदा की और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।₹उन्होंने कहा, ₹जब भारत सरकार ने आदेश दिया कि पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ दें, तो हम डर गए और चिंतित हो गए। हालांकि, बाद में हमें बताया गया कि हमारे पास दीर्घकालिक वीजा है और हम यहां रह सकते हैं। मैं 14 साल से अधिक समय से भारत में रह रहा हूं और हमारा भारतीय नागरिकता आवेदन प्रक्रियाधीन है।

उल्हासनगर स्थित एक संगठन, भारतीय सिंधु सभा , भारत में शरण चाहने वाले पाकिस्तानी सिंधी हिंदुओं की मदद कर रहा है और उन्हें भारत में रहने के लिए भारतीय नागरिकता और दीर्घकालिक वीजा दिलाने की प्रक्रिया में मदद कर रहा है।लगभग 200 शरणार्थी, जो दीर्घकालिक वीजा पर थे और जिनके पास भारत लौटने के लिए कोई आपत्ति नहीं थी पाकिस्तान जाने के बाद अटारी-वाघा सीमा पर फंस गए थे। हालांकि, अधिकारियों ने सोमवार को उन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी।संगठन के प्रमुख महेश सुखरामानी ने कहा, ₹पाकिस्तान के कई दीर्घकालिक वीजा धारक थे, जिन्हें भारत सरकार ने वीजा जारी किया था और वे अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान गए थे। वे पाकिस्तान में वाघा सीमा पर फंस गए थे, लेकिन अब उन्हें भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी गई है। मैं इसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं।₹उन्होंने कहा कि 200 से अधिक आवेदन प्रस्तुत किये गये और 110 आवेदकों को भारतीय नागरिकता प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा, ₹400 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों को दीर्घकालिक वीजा मिल गया है और उनकी नागरिकता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी चल रही है। अल्पकालिक वीजा पर भारत आने वाले 17 लोगों को वापस भेज दिया गया है। उनमें से कई अटारी-वाघा सीमा पर पहुंच गए हैं और उनके वीजा रद्द कर दिए गए हैं।₹ऐसे कई पूर्व पाकिस्तानी नागरिक हैं जो पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के कारण शरण लेने के लिए भारत आए थे। ऐसे ही एक व्यक्ति हैं जयकेश नंजानी, जो अब भारतीय नागरिक हैं और भारत में शरण लेने वाले अन्य पाकिस्तानी नागरिकों की मदद कर रहे हैं।नंजानी ने कहा, ₹हम समाचारों में देख रहे हैं कि सिंधी समुदाय की महिलाओं और लड़कियों का अपहरण किया जा रहा है और उनके खिलाफ अत्याचार किए जा रहे हैं। इसके कारण, पाकिस्तान से कई लोग शरण लेने के लिए भारत आते हैं और दीर्घकालिक वीजा और भारतीय नागरिकता प्राप्त करते हैं।

उन्होंने बताया कि उनके चाचा भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच लगातार सीमा पार से होने वाली गोलीबारी के कारण भारत आये थे।नंजानी ने कहा, ₹नागरिकता पाने की कोशिश करते समय मुझे कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। किसी को भी इस प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के अस्तित्व में आने के बाद, महेश सुखरामानी ने हमें और उन पाकिस्तानी नागरिकों को एक साथ लाया, जो 2014 से पहले आए थे और नागरिकता के लिए आवेदन किया था।₹पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कूटनीतिक कदमों पर प्रतिक्रिया देते हुए नंजानी ने आगे कहा, आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। भारत ने सिंधु जल संधि और सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा निलंबित करने जैसी कार्रवाई की है। भारत सरकार उन्हें सबक सिखाएगी।₹

इससे पहले, उल्हासनगर में अल्पकालिक वीजा पर रह रहे 17 पाकिस्तानी हिंदू पाकिस्तान चले गए हैं या वापस लौट गए हैं। उनके भारत छोड़ने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल थी।इन 17 पाकिस्तानी नागरिकों के अलावा, पाकिस्तान में अपने खिलाफ अत्याचारों के कारण पाकिस्तान छोड़ने वाले सात हिंदू पाकिस्तानी 22 अप्रैल को अटारी-वाघा सीमा के जरिए भारत पहुँचे। इसी दिन पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।दो सिंधी हिंदू परिवारों के सात सदस्य 23 अप्रैल को उल्हासनगर पहुंचे और भारत सरकार ने अल्पकालिक वीजा रखने वाले सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए। सात शरणार्थी अभी भी असमंजस में हैं, लेकिन भारतीय सिंधु सभा उनके लिए दीर्घकालिक वीजा पाने के लिए काम कर रही है और इसके लिए प्राथमिकता के आधार पर सरकारी अधिकारियों के पास आवेदन दायर किए हैं।

30 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक ललित कुमार ने कहा, ₹हम भारत इसलिए आए क्योंकि मैं और मेरा परिवार पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं थे। सिंधी हिंदू समुदाय के लोग वहां बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। आतंकवाद चरम पर है और हमारे साथ कभी भी कुछ भी हो सकता है। मैं 2009 में यहां आया था और अभी मेरे पास लंबी अवधि का वीजा है। पहलगाम हमला पूरी तरह से गलत था और अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।₹उन्होंने कहा, ₹हम तब डर गए जब भारत सरकार ने हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने को कहा। लेकिन, कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हमें बताया कि दीर्घकालिक वीजा रखने वालों को भारत में रहने की अनुमति है। यह सुनकर हमें राहत मिली।₹

अब जब भारत में अंततः नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू हो गया है और इसी के साथ एक बार फिर से कुछ घिसे पिटे स्वर उभरने वाले हैं कि जो प्रताड़ित होकर आएँगे उनमें मुसलमान क्यों नहीं है? यह अधिनियम पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के उन अल्पसंख्यकों की नागरिकता को लेकर है जिनके साथ इन देशों में धर्म के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है और उनका उत्पीड़न किया जा रहा है।मगर चूंकि भारत में एक बड़े वर्ग के लिए अल्पसंख्यक का अर्थ केवल और केवल मुसलमानों से है तो उन्हें ऐसा लग रहा है कि इन प्रताड़ित होते समुदायों में मुस्लिम सम्मिलित क्यों नहीं हैं? मगर एक प्रश्न का उत्तर वे लोग भी देने में समर्थ नहीं हैं कि आखिर मुस्लिम बहुल देशों में धर्म के आधार पर मुस्लिमों के साथ कैसा और क्या उत्पीडन हो सकता है?

यदि धार्मिक उत्पीड़न इन देशों में हो रहा है वह है गैर मुस्लिम समुदाय का और पाकिस्तान के विषय में तो कई रिपोर्ट्स इन अत्याचारों को प्रमाणिकता से स्थापित करती हैं। वहां पर हिन्दू समाज की लड़कियों को आए दिन उठा लिया जाता है और आए दिन इंटरनेट पर ऐसी खबरें सुर्खियाँ बनती रहती हैं, मगर भेदभाव वहां पर अत्यंत व्यापक रूप से दिखता है। इन्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ दलित स्टडीज ने वर्ष 2008 में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें वंचित वर्ग के हिन्दुओं के साथ होने वाले व्यवहार के विषय में विस्तार से लिखा गया था। इसमें लिखा है कि पाकिस्तान ने हमेशा ही यह कहा है कि सभी मुस्लिम एक देश है, माने पाकिस्तान। अभी भी पाकिस्तान में दो-राष्ट्र वाला सिद्धांत पढ़ाया जाता है कि पाकिस्तान को इस्लाम के नाम पर बनाया गया था क्योंकि भारत में दो मुख्य समुदाय थे और वह थे हिन्दू और मुसलमान! इसलिए मुस्लिमों ने अंग्रेजों से कहा कि चूंकि उनका मजहब, तहजीब और जीवनशैली एकदम अलग है तो उन्हें एक अलग देश दिया जाए।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या ऐसे लोगों को एक सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार नहीं है? क्या इन लोगों कि ऐसे ही हाल में छोड़ा जा सकता है? यदि नहीं तो फिर जब उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए भारत में नागरिकता कानून में संशोधन किया गया और लागू किया गया तो क्यों नहीं सभी हिन्दू सिन्धीयों के लिए बॉर्डर के द्वार खोल दिए जाते है।

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

-निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि ₹इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को 'शर्म' आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है।₹ उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दशार्ते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चचाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेजी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है 'राष्ट्रवादियों ' की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी? इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को 'शर्म ' वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है ।डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमजोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है।इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी ₹संकीर्ण राजनीति₹ का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है।

इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा, उपयोग की वस्तुयें, क्रॉकरी, मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण जरूर बढ़ सकता है। खासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद खतरनाक है।

जब कलम चुप हो जाए: लोकतंत्र का शोकगीत

-प्रियंका सौरभ

आपातकाल में अखबारों ने विरोध में अपने संपादकीय स्तंभ खाली छोड़ दिए थे। आज संपादकीय लिखे जा रहे हैं – लेकिन जैसे खालीपन भीतर भर गया है। 1975 में जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल घोषित किया था, तब विरोध का मतलब जेल जाना था, कलम उठाना मतलब कागज छिन जाना था। फिर भी इंडियन एक्सप्रेस, जनसत्ता, प्रतिपक्ष और कई क्षेत्रीय अखबारों ने अपना संपादकीय कॉलम रिक्त छोड़कर सत्ता के विरुद्ध मौन का सबसे मुखर रूप चुना था।

-प्रियंका सौरभ

आज आपातकाल घोषित नहीं है। प्रेस की आजादी का कोई औपचारिक निलंबन नहीं हुआ। फिर भी पत्रकार जेल में हैं। कुछ मारे गए, कुछ बिक गए, कुछ खामोश हो गए। एक पूरी पीढ़ी है जिसे मालूम ही नहीं कि लोकतंत्र में अखबार सरकार से सवाल पूछते हैं, आरती नहीं।

नया लोकतंत्र वह है जहाँ सरकार बोलती है, जनता सुनती है। सत्ता झूठ बोले, मीडिया उसे स्लोगन बना दे। कोई किसान मर जाए, कोई छात्र रो ले, कोई स्त्री चीखे – तो कैमरे का एंगल बदल दिया जाए। नया लोकतंत्र वह है जहाँ ₹देशद्रोह₹ अब अभिव्यक्ति की सीमा नहीं, असहमति की परिभाषा है। जहाँ ₹राष्ट्रवाद₹ अब जनहित नहीं, सत्ता हित की पोशाक बन चुका है।

क्योंकि जब सब लिखा जा चुका हो, लेकिन कुछ भी छपने लायक न बचे – तब स्याही सूख जाती है। 1975 में डर बाहर था, टैंक और वर्दियों में। आज डर भीतर है, टीआरपी और फंडिंग के नाम पर। 1975 में सेंसर अफसर बिठाए गए थे। आज पत्रकारों ने खुद ही सेंसरशिप को आत्मसात कर लिया है। जो लिखते थे, अब जुबान फिसलने के दोषी बना दिए गए हैं। जो सोचते हैं, उन्हें आईटी सेल के शोर में दबा दिया गया है। जो सच दिखाते हैं, उनकी स्क्रीन ब्लैकआउट कर दी जाती है।

कभी यह अनुरोध होता था – कृपया शांत रहें। अब यह सत्ता का आदेश है – ₹चुप रहो, वरना देशद्रोही कहलाओगे। बोलना अब खतरनाक नहीं, अवैध हो गया है। कविता लिखना अब भाव नहीं, विचारधारा कहलाता है। सवाल पूछना अब नागरिक कर्तव्य नहीं, गुनाह है। शांत रहिए अब सिर्फ रेल स्टेशनों पर नहीं बजता, यह हर न्यूज चैनल, हर अखबार, हर सोशल मीडिया पोस्ट की चेतावनी बन चुका है। आपातकाल में जनता ने आवाज उठाई। जेल गए, आंदोलन किए। लेकिन आज हम एक अघोषित आपातकाल के भीतर हैं – और चुप हैं। शायद क्योंकि आज की सेंसरशिप हिंसा की नहीं, सुविधा की है। शायद इसलिए कि अब डर नहीं दिखता, वो आकर्षक पैकेज में छिपा है – सब अच्छा है, बढ़ता भारत, विश्वगुरु। हम वह पीढ़ी हैं जिसने सत्य की जगह नैरेटिव चुन लिया है। जिसने अखबार से खबर हटाकर इवेंट बना दिया है। जिसने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी भी है, पर समझी नहीं।

क्योंकि शब्द अब प्रभावहीन हैं? नहीं। क्योंकि अब कोई सुनने वाला नहीं? नहीं। बल्कि इसलिए कि कभी-कभी चुप्पी खुद एक चीख बन जाती है। ₹रिक्त संपादकीय₹ आज फिर जरूरी है – क्योंकि हर शब्द अब रेखांकित हो रहा है, हर वाक्य विश्लेषित हो रहा है, और हर असहमति पर मुकदमा दर्ज हो रहा है। कभी-कभी खाली पन्ना वो कह देता है जो शब्द नहीं कह सकते।

हमारा पाठक अब बस मनोरंजन चाहता है। संपादकीय पढ़ना उसकी रुचि में नहीं रहा। वह सत्य की खोज में नहीं, 'रिलेट करने लायक कंटेंट में रुचि रखता है। वह ट्रेंड में जीता है, तथ्य में नहीं। तो अखबार भी अब वही परोसते हैं – वही चेहरे, वही घिसे-पिटे विचार, वही सत्तानुकूल भाषा। अगर आप संपादकीय रिक्त देखते हैं – चौंकिए मत। समझिए, कोई कुछ कह नहीं पा रहा। अगर आप संपादकीय में भक्ति पढ़ते हैं – समझिए, कलम मजबूरी में झुकी है या बिक चुकी है। अगर आप अभी भी लिख रहे हैं – तो अपने भीतर एक सवाल जरूर उठाइए: क्या मेरी कलम सत्ता के हित में चल रही है या समाज के? जब किसी गांव की दलित औरत को पीट दिया जाएगा – और उसका वीडियो वायरल होगा, जब किसी छात्र को नारेबाजी के आरोप में जेल भेजा जाएगा, जब किसी कवि की किताब पर प्रतिबंध लग जाएगा, या जब किसी संपादक को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाला जाएगा क्योंकि उसने सच छाप दिया... तब शायद कोई फिर से बोलेगा:

पालघर जिले में स्टॉप डायरिया अभियान की शुरूआत

बारिश में डायरिया से बचाव हेतु जनजागरूकता पर जोर

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक स्टॉप डायरिया अभियान चलाया जा रहा है। मानसून के दौरान दूषित पानी और अस्वच्छता से होने वाले डायरिया, गैस्ट्रो और पीलिया जैसे जलजनित रोगों से बचाव के लिए इस अभियान के तहत जिले भर में नागरिकों को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा ओआरएस पैकेट व जिंक प्रयोग हेतु जागरूकता बढ़ाई जायेगी। इस अभियान की रूपरेखा जिला परिषद पालघर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में आयोजित जिलास्तरीय कार्यदल की बैठक में तय की गई। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, जिला प्रजनन व बाल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सागर पाटील, जिला सर्जन डॉ. रामदास मराड और सभी तहसीलों के स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस दौरान डॉ. सागर पाटील ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों में डायरिया की रोकथाम को प्राथमिकता दी गई है। डायरिया से पीड़ित बच्चों को निशुल्क ओआरएस पैकेट और जिंक की गोलियां वितरित की जाएंगी। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस घोल बनाने और हाथ धोने के प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे और डिहाइड्रेशन से पीड़ित मरीजों को तुरंत उपचार मिलेगा। डॉ. रामदास मराड ने बताया कि व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता से डायरिया पर नियंत्रण पाया जा सकता है। खुले में शौच, दूषित पानी का सेवन, खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का उपभोग, और शौच के बाद या भोजन से पहले हाथ न धोने से डायरिया फैलता है। ओआरएस और जिंक के इस्तेमाल से जलशोष की स्थिति सुधरती है और डायरिया शीघ्र नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्तनपान कराने वाली माताओं को डायरिया के दौरान भी शिशु को स्तनपान जारी रखना चाहिए और हल्का, स्वच्छ भोजन देना चाहिए। गांव स्तर पर विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अतिसार पर करें वार, स्वच्छता और ओआरएस का लें सहारा इस नारे के साथ यह अभियान चलाया जाएगा। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने अपील की कि यदि किसी को डायरिया के लक्षण दिखें तो वह तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने नागरिकों से अपील की कि वे केवल उबला और ठंडा किया हुआ पानी ही पियें तथा बरसात में बीमारियों से बचने के लिए सावधानी और स्वच्छता को अपनायें।

बृजेश पाठक उत्तर प्रदेश के विकास के प्रति समर्पित उप मुख्यमंत्री: कृपाशंकर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार में 7वें उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण के कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक का आज जन्मदिन है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश तेजी के साथ विकास के पथ पर अग्रसित है। प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ साथ उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए वे लगातार समर्पित प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1990 में प्रतिष्ठित लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष रहे बृजेश पाठक अपनी जनसेवा भावना के चलते प्रदेश की जनता के बीच बेहद लोकप्रिय है। ईश्वर उन्हें हमेशा स्वस्थ और खुशहाल बनाए रखे।

चिंचणी में नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। एम. के. जूनियर कॉलेज, चिंचणी के एन.एस.एस. विभाग की ओर से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु एक विशेष नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संयोजन प्रा. मेघा पाटील द्वारा किया गया, जबकि मार्गदर्शन की भूमिका में कॉलेज के पूर्व छात्र प्रथमेश माने उपस्थित रहे। प्रथमेश माने ने विद्यार्थियों को रंगमंच पर प्रस्तुति देते समय आवश्यक गुणों जैसे आत्मविश्वास, संवाद कौशल, मंच संचालन, सृजनात्मकता और प्रभावशाली अभिव्यक्ति को कैसे आत्मसात किया जाए, इस पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। उन्होंने नाटक में आवाज के उतार-चढ़ाव, शारीरिक हावभाव, अभिनय की मूलभूत विधाएँ और कल्पनाशक्ति आधारित क्रियाओं पर भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।इस नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में एन.एस.एस. विभाग के 38 छात्राएँ व 16 छात्र सक्रिय रूप से सहभागी बने। इस अवसर पर कॉलेज की उपप्राचार्या संगीता चुरी, पर्यवेक्षक सुरज अष्टेकर, दिनकर टेकनर, कला विभाग प्रमुख हरिष वलवी, वरिष्ठ शिक्षिका मेघा पाटील, कार्यक्रम अधिकारी एकनाथ पाटील एवं प्रीती राऊत उपस्थित रहीं।

पूर्व नगर सेवक संतोष शेट्टी द्वारा मनपा स्कूल के छात्रों को वितरित किया गया रैनकोट

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के धामनकर नाका स्थित मनपा के प्राथमिक विद्यालय मनपा स्कूल क्रमांक 30 के जरुरतमंद 150 विद्यार्थियों को रेनकोट वितरित किया गया । बतादें कि भिवंडी मनपा के स्कूलों में अधिकांश बच्चे मजदूर बस्ती के शिक्षा ग्रहण करते हैं । इस स्कूल में क्षेत्र के मजदूर परिवारों के विद्यार्थी पढ़ते हैं वहीं इन विद्यार्थियों को बरसात में भीगकर स्कूल आना और जाना पडता है जिसके लिए पूर्व नगर सेवक संतोष शेट्टी ने रैनकोट वितरण किया । इसी के साथ मनपा द्वारा उपलब्ध कराए गए यूनिफॉर्म और जूते भी वितरित किए गए । वहीं संतोष शेट्टी ने घोषणा की कि इन जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए एक कंप्यूटर कक्ष बनाया जाएगा ।

डोंबिवली में आवारा कुत्तों का आतंक

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में आवारा कुत्तों का उत्पात बढ़ता जा रहा है, वहीं मनपा स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन कुत्तों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से नागरिकों में भारी नाराजगी है। डोंबिवली पश्चिम में घर के बाहर खेलने निकले बच्चे पर आधा दर्जन आवारा कुत्तों ने जानलेवा हमला कर दिए। इस हमले की पूरी घटना पड़ोस में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। बतादें की मंगलवार की सुबह करीब 10:30 बजे डोंबिवली पूर्व के मोठागांव रेतीबंदर इलाके में एक बच्चा खेलने के लिए घर से बाहर निकला था। जैसे ही बच्चा सड़क पर आया, बच्चे पर आधा दर्जन आवारा कुत्तों ने जानलेवा हमला कर दिया । इस हमले में बच्चे के पैर और मुंह को कुत्तों ने काटकर जख्मी कर दिया । इतना ही नही बच्चे को जमीन पर घसीटकर लेकर जाने लगे । रास्ते से जा रहे एक व्यक्ति ने बच्चे की जान बचाई । परिसर में लगे सीसीटीवी में यह पूरी घटना कैद हो गई है। इस घटना से डोंबिवली शहर में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे है।

विक्रमगढ़ में छत्रपति शिवाजी महाराज समाधान शिविर का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के विक्रमगढ़ तहसील के चिंचघर मंडल में बुधवार 25 जून को छत्रपति शिवाजी महाराज समाधान शिबिर का आयोजन किया गया।

इस शिबिर के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। शिबिर के दौरान कुल 124 प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, 7/12 उतारा और फेरफार, आधार कार्ड से संबंधित सेवा, दिव्यांग लाभार्थियों को सहायिकी सामग्री का वितरण तथा विवाह नोंद प्रमाणपत्र शामिल रहे। इस शिबिर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया।

भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में जो काम दस सालों में नहीं कर पाये उसे मैंने एक साल में करने की कोशिश की है: सांसद सुरेश म्हात्रे

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने कहा है कि जो काम सत्ताधारी सांसद दस सालों में भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में नहीं कर पाए, उसे मैंने एक साल में ईमानदारी से करने की कोशिश की है । वे लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के एक साल पूरा होने के अवसर पर भिवंडी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे । लोकसभा चुनाव के दौरान टोरेंट पावर कंपनी को लेकर भिवंडी की जनता से किए गए वादे की चर्चा करते हुए बाल्या मामा ने स्पष्ट किया कि दस सालों में किसी ने टोरेंट शब्द नहीं बोला, लेकिन मैंने लोकसभा में इस पर आवाज उठाई है । 2027 के बाद सभी के सहयोग से इसके बारे में निर्णय लेंगे , ऐसा कहते हुए बाल्या मामा ने कहा कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के 15 लाख लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल का दर्जा बढ़ाकर जिला अस्पताल बनाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ किया गया अनुवर्तन सफल रहा है और राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में सर्वेक्षण शुरू कर दिया है । वसई दिवा रेलवे लाइन पर भिवंडी और दिवा के बीच ट्रेन सेवा बढ़ाने और भिवंडी के लोगों को लंबी यात्रा करने के लिए इस मार्ग पर चल रही लंबी दूरी की ट्रेनों को भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन पर रुकने की अनुमति देने के लिए रेल मंत्री से अनुरोध किया गया है । वहीं मुरबाड़ रेलवे लाइन पर तत्कालीन सांसदों ने अनुवर्तन नहीं किया , लेकिन हमारे द्वारा किए जाने के बाद यह काम प्रगति के साथ आगे बढ़ा है । शाहपुर का पानी का मुद्दा एक गंभीर समस्या है । तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बढ़ी हुई निधि के साथ भवाली परियोजना को मंजूरी दी थी । लेकिन पानी निकासी के लिये जलशुद्धि केन्द्र नहीं बनाया गया । ठेकेदार पाइपलाइन बिछाने में ठेकेदारों के बिलों को मंजूर करने कमीशन की गंभीर समस्या है । राजस्व मंत्री के पास भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव था जिसे लागू करने से जल शोधन केंद्र स्थापित करने का रास्ता आसान हो गया है । केंद्र ने भिवंडी शहर में वडाल देवी तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए 53 करोड़ रुपये की निधी मंजूर किया है । परिवहन एक बड़ा मुद्दा है राजमार्गों और राज्य की सड़कों पर यातायात जाम एक बड़ा मुद्दा है। इसे हल करने के लिए हमें सरकार और पुलिस प्रशासन से उचित सहयोग नहीं मिल रहा है । इसी तरह कई अन्य मुद्दों के साथ बुलेट ट्रेन भूमि अधिग्रहण में भारी भ्रष्टाचार की बात कही है ।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था ने किया बोईसर- पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष निराला का सत्कार

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में प्रसिद्ध पत्रकारों का संगठन बोईसर-पालघर पत्रकार संघ(रजि.) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामप्रकाश निराला का उत्तर क्षेत्रीय संस्था (रजि.) द्वारा पैट्रोल पम्प,पास्थल स्थित कार्यालय पर मंगलवार 24 जून को दोपहर 12:30 बजे शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया।

इस मौके पर संस्था के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरविन्द सिंह क्षत्रिय, वरिष्ठ पदाधिकारी हनुमान सिंह, एडवोकेट एस.एस.त्रिपाठी, रामनरेश यादव, एस.एस.तिवारी, दीपक निराला, बी. एन.सिंह, मनदेव दुबे, रोहित सिंह तथा नीता राऊत सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित मान्यवरों ने रामप्रकाश निराला को पत्रकारिता क्षेत्र में उनके योगदान और बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस मौके पर श्री. निराला उनका सत्कार करने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष निराला ने पत्रकारिता में निर्भीक, निष्पक्ष , पारदर्शक और जनसेवा की भावना को प्राथमिकता देने पर अपने विचार व्यक्त किए । कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राहुल इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी के बाद अलर्ट मोड पर पुलिस

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। राहुल इंटरनेशनल स्कूल,श्रीप्रस्थ, नालासोपारा पश्चिम की प्रिंसिपल मधु रावत को आज सुबह 4.26 बजे नक्कीरन गोपाल, मद्रास वाघ के नाम से आए एक मेल में स्कूल को उड़ाने की धमकी दी गई। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी तथा सचिव राहुल तिवारी को दी। मामला गंभीर था, इसलिए बिना देर किए लल्लन तिवारी अपने पौत्र तथा राहुल एजुकेशन के सीओओ उत्सव तिवारी, वीरेंद्र दुबे, एड राजकुमार मिश्र तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे के साथ स्कूल में पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से स्कूल को तत्काल खाली कराया गया। इसी बीच घटना की जानकारी होते ही महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे को घटना की जानकारी देते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। इसके बाद कृपाशंकर सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी फोन कर घटना से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने भी पुलिस विभाग को आवश्यक निर्देश दिया। थोड़ी ही देर में पुलिस के अनेक बड़े अधिकारी डॉग स्क्वायड तथा पुलिस फोर्स के साथ स्कूल परिसर में पहुंच गए। पूरे स्कूल की सघन तलाशी की गई। परंतु किसी प्रकार की कोई संदेहास्पद वस्तु नहीं मिली।इस बारे में लल्लन तिवारी ने कहा कि उनकी किसी से किसी प्रकार की कोई दुश्मनी नहीं है।

उन्होंने धमकी भरे मेल को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया। ज्ञातव्य है कि पिछले दिनों मीरा रोड के आरबीके स्कूल में भी इसी तरह का मेल भेजकर स्कूल को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी । ऐसे में सवाल उठता है कि कहीं कोई व्यक्ति स्कूल चलाने वाले लोगों को डरा धमकाकर वसूली तो नहीं करना चाहता? पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कल्याण में उद्धव गुट को झटका – अनेक कार्यकताओं ने छोड़ी पार्टी

विधायक विश्वनाथ भोईर के मार्गदर्शन में शिंदे शिवसेना में प्रवेश

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में शिवसेना उद्धव गुट को बड़ा झटका लगा है। ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सैकड़ों कार्यकताओं ने शिवसेना शिंदे गुट में प्रवेश कर लिया है। कल्याण पश्चिम के शिंदे सेना के विधायक विश्वनाथ भोईर की उपस्थिति में कार्यकताओं ने शिंदे गुट में प्रवेश किया। इस मौके पर विश्वनाथ भोईर ने कहा कि राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की कार्यशैली से प्रभावित होकर कार्यकताओं ने शिवसेना का दामन थामा। आपको बतादें कि महाराष्ट्र में आने वाले कुछ महीनों में निकाय चुनाव होने वाले हैं। और उससे पहले इन कार्यकताओं का पार्टी छोड़ना कल्याण में ठाकरे गुट के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इस मौके पर शिंदे गुट के जिल्हा प्रमुख अरविंद मोरे, शहर प्रमुख रवि पाटिल, महिला जिला संगठक छाया वाघमारे, नेत्रा उगले, जयवंत भोईर सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे।

एपीएमसी मार्केट दूषित पानी से गंदगी फैली, पूरा परिसर में अस्वच्छता फैली

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण कृषि उत्पन्न बाजार समिति (एपीएमसी) परिसर में गंदे पानी का जमा हो जाना अब एक गंभीर समस्या बन गया है। इस गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है, जिसकी वजह से पूरे परिसर में अस्वच्छता फैल रही है। बाजार समिति प्रशासन का कहना है कि इस स्थिति के लिए कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका जिम्मेदार है। मेट्रो निर्माण कार्य के चलते बाजार समिति के परिसर को नुकसान पहुंचा है, जिससे जलनिकासी की समस्या और गंभीर हो गई है। इस समस्या की ओर ध्यान देने की मांग बाजार समिति की ओर से बार-बार की जा रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से इसे अनदेखा किया जा रहा है। इस संबंध में एपीएमसी के सचिव संजय एगडे ने कहा है कि महानगरपालिका की ओर से कोई ठोस उपाय नहीं किए जा रहे हैं, जिससे व्यापारियों और किसानों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कल्याण एपीएमसी ठाणे जिले की महत्वपूर्ण बाजार समिति है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से सब्जी, अनाज, फल और फूल गाड़ियों में लादकर लाया जाता है। गंदे पानी की वजह से जीवजंतु पैदा होते हैं, जो सब्जी, फलों और कृषि उत्पादनों पर बैठते हैं। इसके बाद यहीं वस्तु बाजार में बिक्री के लिए जाती है। ऐसे कृषि उत्पादन को खाने वाले लोगों का स्वास्थ्य भी धोखे में पड़ सकता है। एपीएमसी के सचिव संजय एगड़े ने बताया कि महापालिका द्वारा नाले सफाई नहीं किए जाने की वजह से जलनिकासी नहीं हुई। लिहाजा अस्वच्छता को दूर करने के लिए एपीएमसी स्वयं ही नाले की सफाई करवा रही है।

सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी ने यूजी एवं पीजी एडमिशन के लिए की फाइनल राउण्ड के प्रवेश की घोषणा

मुंबई। मुंबई के अग्रणी बहु-आयामी निजी संस्थानों में से एक सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी (एसवीयू) ने अकादमिक वर्ष 2025-26 के लिए अंडरग्रेजुएट (यूजी) एवं पोस्टग्रेजुएट (पीजी) प्रोग्रामों में एडमिशन के फाइनल राउण्ड की घोषणा की है। विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग जगत में अग्रणी 80 से अधिक प्रोग्रामों के साथ युनिवर्सिटी छात्रों को शिक्षा की बदलावकारी यात्रा के द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता, ग्लोबल एक्सपोजर एवं उद्योग जगत के अनुभव प्रदान करती है। सभी अंडरग्रेजुएट एवं ग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन का फाइनल राउण्ड 30 जून को होगा और मेरिट लिस्ट जुलाई के पहले सप्ताह में जारी की जाएगी। यूजी प्रवेश पात्रता 12वीं के स्कोर, एसवीयूईटी अथवा जेईई, एमएचटी-सीईटी, सीयूईटी, पीईआरए-सीईटी या एसएटी में वैध स्कोर पर आधारित है और पीजी प्रवेश के लिए आवेदक के पास प्रासंगिक अंडरग्रेजुएट की डिग्री होना आवश्यक है। प्रोफेसर सतीश मोध, प्रो वाइस चांसलर, सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी ने कहा, सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी में हमारा मानना है कि शिक्षा एक बदलावकारी बल है जो एक व्यक्ति को रचनात्मक रूप से सोचने, नैतिक आचरण करने और प्रयोजन के साथ इनोवेट करने में सक्षम बनाती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

युवक ने विवाहिता का आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर किया वायरल

मामले की जांच पड़ताल में जुटी कोतवाली पुलिस

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर एक विवाहिता का आपत्ति जनक फोटो डालकर वायरल कर दिया। जब इसकी जानकारी पीड़िता को हुई थी उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़िता ने ससुराल से पूरी बात अपने परिजनों को बताई।

बताया जाता है की कोतवाली क्षेत्र के एक गॉव निवासी विवाहिता का आपत्तिजनक फोटो उसके ही गॉव युवक ने शोसल मीडिया के प्लेटफार्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर वायरल कर दिया। मंगलवार को पीड़िता की माँ ने इरफान, गुफरान, इमरान के खिलाफ तहरीर देते हुए कार्यवाई की मांग की।पीड़िता की मां ने आरोप लगाते हुए कहा कि फोटो वायरल करने की शिकायत करने के लिए जब आरोपी के घर गयी तो उन्होंने मारपीट की और जान से मारने की भी धमकी दी। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

जमीन पैमाइश के दौरान हुआ बवाल, भागे लेखपाल–कानूनगो

नेवढ़िया थाना क्षेत्र के पसियाही कला गांव की घटना, पुलिस फायरिंग से कर रही इनकार

नेवढ़िया,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के पसियाही कला गांव में सोमवार को जमीन की पैमाइश के दौरान अचानक हुए विवाद में हवाई फायरिंग की घटना सामने आई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। फायरिंग से डरे लेखपाल मनदीप मौर्य एवं कानूनगो ज्ञान प्रकाश सिंह जान बचाकर वहां से भाग खड़े हुए।

जानकारी के अनुसार, गांव के जोखनराम यादव और दिवाकर यादव के बीच लंबे समय से जमीन का विवाद चल रहा था। प्रशासन द्वारा इस विवाद को राजस्व नियमावली की धारा 24 के अंतर्गत सुलझाने के लिए पैमाइश का आदेश दिया गया था। इसी आदेश के तहत सोमवार की दोपहर लेखपाल व कानूनगो की टीम गांव में पहुंची और पत्थर गड्डी की कार्रवाई शुरू की।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पैमाइश चल रही थी तभी अचानक गांव का एक व्यक्ति, जिनका इस भूमि विवाद से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था, ने मौके पर पहुंचकर जोखनराम यादव और सुभाष यादव को बुला लिया। आरोप है कि इसी बीच एक व्यक्ति दूसरे पर रिवाल्वर से फायरिंग कर दी। जिससे घटनास्थल पर हड़कंप मच गया। फायरिंग की होती ही कानूनगो और लेखपाल ने तत्काल वहां से भागकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया और लोग घटनास्थल से दूरी बनाकर रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोगों ने तत्काल 112 डायल सेवा को सूचना दी।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया तथा दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर नेवढ़िया थाने ले जाया गया। समाचार लिखे जाने तक थाने में दोनों पक्षों के साथ-साथ हल्का लेखपाल और कानूनगो भी मौजूद थे और पुलिस द्वारा समझौता कराने की कोशिशें जारी थीं। इस बाबत जब थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी से जानकारी ली गई तो उन्होंने फायरिंग की घटना से इनकार करते हुए कहा कि यह मात्र भूमि विवाद है। दोनों पक्षों को थाने पर बुलाकर पूछताछ की जा रही है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने दी आर्थिक सहायता

सड़क दुर्घटना में मृत सफाई कर्मचारी के परिजनों को प्रदान की गई सहयोग राशि

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखण्ड शाहगंज (सोंधी) की एक ग्रामसभा में तैनात सफाई

कर्मी स्व. तेजबहादुर की हाल ही में सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु हो गई थी। दिवंगत कर्मी की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय होने के कारण उनका परिवार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था।ऐसे कठिन समय में पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ, जौनपुर की ब्लॉक शाखा शाहगंज ने पहल करते हुए सहयोग राशि प्रदान की। शाहगंज ब्लॉक के सफाई कर्मचारियों, एडीओ पंचायत, खंड विकास अधिकारी और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के संयुक्त प्रयास से कुल ?1,00,500 की आर्थिक सहायता राशि एकत्र की गई। जिसे मृतक के पिता व बच्चों को सौंपा गया।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह, एडीओ पंचायत संजय यादव, जिलाध्यक्ष संजय कुमार चौधरी, जिला महामंत्री शिवकुमार यादव, कोषाध्यक्ष हीरालाल भारती, जिला उपमंत्री समरनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष संघप्रिय बौद्ध व रामसमुझ यादव, ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र प्रताप, ब्लॉक मंत्री जयप्रकाश बिंद, संगठन मंत्री अरुण शुक्ला तथा कर्मचारीगण रवि राव, संजय यादव, कनवर लाल, शांतिभूषण यादव, विजय कुमार, फूलचंद, विनोद कुमार, रऊफ, पिंटू बिन्द, सतेन्द्र कुमार, लाल चन्द्र, विजय कुमार गौड़ आदि मौजूद रहे। अंत में प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह ने स्व. तेजबहादुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हम सब इस दुःख की घड़ी में उनके साथ है और उनके परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

जिला कारागार का किया गया त्रैमासिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ के द्वारा संयुक्त रूप से जिला

कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी दी गई। तलाशी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। जेल अस्पताल में जाकर बंदियों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। पाक शाला में जाकर बंदियों को दिए जाने वाले भोजन के गुणवत्ता के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.लक्ष्मी सिंह, जेलर सहित अन्य उपस्थित रहे।

भंडारी में संदिग्ध परिस्थिति में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के भंडारी मोहल्ला में उस समय सनसनी फैल गई जब एक 30 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर

आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अतुल गुप्ता पुत्र रमेश गुप्ता के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना मंगलवार की रात लगभग 12 बजे अतुल रोज की तरह घर लौटा और सीधे अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद जब उसकी मां ने उसे खाने के लिए आवाज दी तो उसने कोई उत्तर नहीं दिया। मां को आशंका हुई तो उन्होंने कमरे की खिड़की से झांककर देखा। भीतर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए, अतुल साड़ी के सहारे पंखे से लटका हुआ था।

लोकतंत्र रक्षकों का स्वागत एवं सम्मान गर्व की बात: रमेश सिंह

लोकतंत्र सेनानियों को राष्ट्रीय आपातकाल के 50वीं वर्षगांठ पर सम्मान समारोह आयोजित

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील शाहगंज में राष्ट्रीय आपातकाल (1975) की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति नई प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि विधानसभा शाहगंज विधायक रमेश सिंह सम्मिलित हुए। विधायक रमेश सिंह ने कहा कि उन महान लोकतंत्र रक्षकों का स्वागत एवं सम्मान करने का सौभाग्य आज प्राप्त हुआ है। जिन्होंने आपातकाल जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु

अद्वितीय साहस का परिचय दिया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव तहसीलदार आशीष कुमार सिंह सहित प्रशासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारीगण, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वरिष्ठ भाजपा नेता बेचन सिंह ने कहा कि यह आयोजन न केवल अतीत के संघर्षों को स्मरण करने का अवसर था, बल्कि वर्तमान पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग और प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

चार अध्यापिकाओं एवं एक अध्यापक के अग्रिम आदेश तक वेतन पर लगी रोक

शिक्षा विभाग की बड़ी कार्यवाई: काफी समय से प्रधानाध्यापक और अध्यापिकाओं के बीच चल रहा था विवाद

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के पुरानी बाजार स्थित सार्वजनिक प्राथमिक विद्यालय नगर पालिका के चार अध्यापिकाओं और एक अध्यापक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर गोरखनाथ पटेल द्वारा बड़ी कार्रवाई की है उन्होंने चार अध्यापिकाओं पूनम देवी,

बबीता ,पूजा प्रभाकर वह बृजेश सोनकर एवं शिक्षामित्र रंजना देवी को जांच टीम समिति की आख्या आने के बाद वेतन रोकने का आदेश दिया है बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल द्वारा 14 जून को पांचो अध्यापकों के खिलाफ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के अंदर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण मांगा ।है ज्ञात हो कि विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र यादव द्वारा उक्त टीचरों की शिकायत कुछ दिन पूर्व बेसिक शिक्षा अधिकारी से की गई थी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जांच टीम गठित की थी ।फिलहाल पांच अध्यापकों के वेतन रोक पर स्थानीय शिक्षकों में उक्त मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

50वें आपातकाल दिवस पर लोकतंत्र की रक्षा करने का लिया संकल्प

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखंड शाहगंज सोंधी के सभागार में बुधवार को 50वां

आपातकाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने लोकतंत्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए नागरिक अधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी ने की। अपने संबोधन में श्री त्रिपाठी ने कहा कि 25 जून 1975 को लागू आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय था, जब संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत नागरिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे लोकतंत्र के प्रति सजग और सचेत रहें ताकि भविष्य में देश को दोबारा ऐसे दौर से न गुजरना पड़े।ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने कहा कि यदि भविष्य में लोकतंत्र पर कोई संकट आता है तो प्रत्येक नागरिक को एक जागरूक प्रहरी की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से इतिहास से सीख लेकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने आपातकाल के दौरान हुई घटनाओं, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश, अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रतिबंध और उसके दूरगामी प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर प्रमोद कुमार सिंह (एडीओ एसबीआई), एडीओ पंचायत संजय यादव, निपेंदर सिंह (एपीओ), हरिश्याम वर्मा, विजय कश्यप, विजय गौड़, पिंटू, रमेश, विनोद यादव, अजय यादव,उजागिर यादव,सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बीएड प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शिवांगी यादव को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के धमार्पुर ब्लॉक के पिंडरा समैसा गांव निवासी शिवांगी यादव ने बीएड प्रवेश परीक्षा में उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल कर अपने जिले और परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव और सपा नेता राहुल त्रिपाठी ने उन्हें बुके और शाल देकर सम्मानित किया।

पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव ने शिवांगी यादव की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने शिवांगी यादव को भविष्य में भी इसी तरह की मेहनत और सफलता की कामना की।

सपा नेता राहुल त्रिपाठी ने कहा कि हमारे क्षेत्र के लिए यह बहुत गौरव की बात है। पूरा क्षेत्र शिवांगी की इस सफलता से बहुत प्रसन्न है और हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में वह एक बड़ा मुकाम हासिल करेगी।शिवांगी यादव ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, शिक्षकों और मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी इस उपलब्धि से उनके परिवार और जिले का नाम रोशन हुआ है और वे आगे भी इसी तरह की मेहनत और सफलता की दिशा में काम करेंगी।आज इस अवसर पर फौजी अनिल प्रधान, नरेन्द्र प्रधान, आदर्श यादव, रोहित यादव नीरज कुमार सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने शिवांगी यादव को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वेतन भुगतान नहीं होने पर संविदाकर्मियों ने किया उपकेन्द्र का घेराव

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के संविदा विद्युत कर्मियों ने विद्युत उपकेन्द्र मछलीशहर पर इकट्ठा होकर अपनी आठ सूत्री मांगो को लेकर विद्युत उपकेंद्र का घेराव किया। मांगे नहीं माने जाने पर आंदोलन करने की चेतवानी दी। तहसील क्षेत्र के मछलीशहर नगर, सुजानगंज, पंवारा, बरईपार, बंधवा, जमालपुर, मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र में संविदा पर कार्यरत विद्युत कर्मियों ने अपनी आठ सूत्रीय मांगो के मांगपत्र को लेकर मछलीशहर के विद्युत उपकेन्द्र का घेराव किया। विद्युत कर्मियो के अनुसार पूर्व में दिए ज्ञापन पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। हम लोगों को विभाग की तरफ से सिर्फ कोरा आश्वासन दिया जा रहा है। विद्युत कर्मियों ने आई डी जॉब कार्ड नहीं बनाने के साथ तीन महीने से एक भी रुपए वेतन भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया। इसके अलावा विभाग द्वारा विद्युत कर्मियों को कार्य करते समय किसी तरह का सुरक्षा उपकरण नहीं देने का भी आरोप लगाया। इसके अलावा विद्युत कर्मियों ने न्यूनतम वेतन 18000 से बढ़ाकर 25000 रुपए करने की मांग की। इस दौरान राम पाल यादव, महेंद्र कुमार, विजय कुमार यादव, राजेश चौरसिया, सभाजीत पाल, विपिन कुमार, महेंद्र कुमार, चंद्रबली पाल, रंजीत कुमार, जुम्मन अली सहित दर्जनों निविदा कर्मी उपकेंद्र पर मौजूद रहे।

पिछड़ा, दलित एवं आधी आबादी को एकजुट करने का काम कर रही सपा: शंखलाल मांझी

अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए जनपंचायत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए जनपंचायत कार्यक्रम आयोजित कर चौपाल एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में स्वजातीय बंधुओं के बीच में पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद शंखलाल मांझी ने विधानसभा क्षेत्र सदर जौनपुर के ग्राम अब्बोपुर में तथा विधानसभा क्षेत्र मल्हनी के करसांवा में पीडीए जन पंचायत कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए।

पीडीए जन पंचायत कार्यक्रम में संबोधित करते हुए शंखलाल मांझी ने कहा कि भाजपा निषाद, कोल, भील, बिंद, केवट, मल्लाह, मझवार, कहार, कश्यप, रैकवार, बाथम, गोडिया, मछुआरा, आदिवासी, मूलनिवासी का अधिकार छीन रही है। इससे पूर्व अब्बोपुर चौराहे पर महाराजा निषादराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

उन्होंने आगे कहा कि आज पीडीए जनपंचायत पिछड़ा, दलित एवं आधी आबादी को एकजुट करने का काम समाजवादी पार्टी कर रही है और जब पीडीए समाज एकजुट हो जाएगा तो उनका हक अधिकार सुरक्षित रहेगा। मैं स्वजातीय बंधुओं से अपील करता हूं कि सामंतियों के भ्रमजाल में ना पड़ें बल्कि एकजुट होकर पीडीए आंदोलन को ताकत देकर सम्मान, अधिकार बचाने का काम करें।

जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि जनपद का पीडीए समाज एकजुट होकर ही जनपद की दोनों लोकसभा में परचम लहराया अब 2027 के लिए भी एकजुट होकर पीडीए की सरकार बना दीजिए। पीडीए जन पंचायत को ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, जगदीश प्रसाद मौर्य गप्पू सभासद, श्यामनारायण बिंद, जितेन्द्र बिंद, ने संबोधित करते हुए पीडीए समाज की एकजुटता पर बल दिया।

उक्त अवसर पर मदभारत बिंद, अनवारूल हक गुड्डू, दिलीप प्रजापति, चंद्रशेखर यादव, रमेश बिंद, मोतीराम बिंद, कमालुद्दीन अंसारी, फिरोज अहमद पप्पू, रामचंद्र बिंद, राजा नवाब, संदीप बिंद, अमन मौर्य, धर्मेंद्र यादव,सलीम नगर अध्यक्ष, शाकिब जमदहां, बसंत बिंद, राममिलन बिंद, फहद एडवोकेट, हरिलाल बिंद, जवाहरलाल बिंद, धीरज बिंद, रविन्द्र बिंद, उमेश यादव, रामनयन बिंद, डॉ सुरेन्द्र बिंद, दीनानाथ बिंद, प्रमोद बिंद, रामकिशन बिंद, रामराजिक बिंद, बिहारी बिंद, सहित सैकड़ों बिंद, निषाद समाज के लोगों की उपस्थिति रही। विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने स्वागत किया संचालन रामकेश बिंद विधानसभा उपाध्यक्ष ने किया।

प्रेस की स्वतंत्रता पर सेंसरशिप थोप दी गई थी, बिना उनकी अनुमति के कुछ नहीं छपता था: बेबीरानी मौर्य

प्रेस वार्ता में कांग्रेस पर बरसे , आपातकाल को बताया लोकतंत्र का काला अध्याय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने पेक्षागृह में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बेबीरानी मौर्य ने वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय बताया। उन्होंने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 25 जून 1975 को पूरे देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की निर्मम हत्या की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान देशवासियों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए।प्रेस की स्वतंत्रता पर सेंसरशिप थोप दी गई और लाखों निर्दोष लोगों को जेलों में डाल दिया गया।

उन्होंने कहा कि 21 महीनों तक चले इस आपातकाल ने भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को झकझोर कर रख दिया कांग्रेस की सत्ता लोलुपता, दमनकारी नीतियों और तानाशाही मानसिकता ने देशहित से ऊपर एक परिवार और एक व्यक्ति के अहंकार को रखा लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी युवाओं, पत्रकारों और जनआंदोलनों में भाग लेने वाले नागरिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि आपातकाल के विरोध में उठी हर आवाज को मैं नमन करता हूँ। उन्होंने आगे कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने पूरे देश में आपातकाल लागू कर भारतीय लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि यह समय लोकतंत्र सेनानियों से सीख लेने का है कि किस प्रकार उन्होंने साहस और संकल्प से तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष किया आपातकाल का विरोध सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश की आत्मा को बचाने का संघर्ष था। जब 11 जुलाई 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्णय किया कि हर वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जाएगा।तब यह सवाल उठे कि 50 साल पहले हुई किसी घटना पर बात करके आज क्या हासिल होगा।उन्होंने कहा कि जब किसी अच्छी या बुरी राष्ट्रीय घटना के 50 साल पूरे होते हैं। तो सामाजिक जीवन में इसकी याद्दाश्त धुंधली हो जाती है और अगर आपातकाल जैसी लोकतंत्र की नींव हिलाने वाली घटना को लेकर समाज की याददाश्त धुंधली होती है तो यह किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए बहुत बड़ा खतरा होता है। उन्होंने कहा कि मन के भाव दरअसल मानव प्रकृति के भाव हैं। जो कभी न कभी दोबारा उभर कर देश और समाज के सामने चुनौती बनकर आ सकते हैं। भारत लोकतंत्र की जननी है यहां तानाशाही को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होने आपातकाल को अन्यायकाल बताया और कहा कि आपातकाल परिस्थिति और मजबूरी की नहीं बल्कि तानाशाही मानसिकता और सत्ता की भूख की उपज होता है 25 जून सभी को याद दिलाता है कि कांग्रेस सत्ता के लिए किस हद तक जा सकती है। आपातकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कांग्रेस को घेरा और कहा कि आज भारतीय लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उठाई गई आवाजों को दबाने का कोई मौका नहीं छोड़ा भाजपा ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र में एक काला अध्याय बताया है। युवाओं को पता होना चाहिए कि 1975 में देश में क्या हुआ था आज की पीढ़ी को यह जानना जरूरी है कि कैसे उस दौर में लोकतंत्र खतरे में पड़ गया था। इस काले अध्याय को वे हम लोग गांव और हर घर तक ले जाएंगे। ताकि लोग जान सकें कि किस तरह एक पार्टी ने देश को अपनी सत्ता बचाने के लिए आपातकाल की आग में झोक दिया था।

क्या विद्यालयों का मर्डर करके ही देश विश्व गुरु बनेगा : अटेवा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विद्यालय मर्जर व्यवस्था के विरोध में बुधवार कैंप कार्यालय में अटेवा पेंशन बचाओ मंच जौनपुर की महत्वपूर्ण बैठक जिला संयोजक चन्दन सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रान्तीय सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी धर्मेंद्र गोयन रहे। बैठक में विद्यालय मर्जर व्यवस्था के पूर्ण विरोध और बहिष्कार का निर्णय लिया गया। जिला संयोजक चन्दन सिंह ने कहा कि विद्यालय मर्जर व्यवस्था वास्तव में वंचित समाज और बालिका शिक्षा को समाप्त करने की योजना है। देश में वैसे भी बालिका शिक्षा अभी भी संघर्ष के दौर से गुरुर रही है ऊपर से विद्यालयों का मर्जर करके बालिका शिक्षा का मर्डर करने की योजना पर काम चालू हो गया है। मुख्य अतिथि धर्मेंद्र गोयन ने कहा कि विद्यालय मर्जर आरटीई एक्ट के प्राविधानों का उल्लंघन है। अटेवा इस योजना का पूर्ण बहिष्कार करता है। जिला कैडर प्रभारी टी यन यादव और जिला महामंत्री इन्दु प्रकाश यादव ने आगामी कार्यक्रमों के सम्बंध में चर्चा करते हुए कहा कि अटेवा विद्यालय मर्जर का पूर्ण रूप से बहिष्कार करता है और इसके लिए सड़क से न्यायालय तक संघर्ष करेगा। इस अवसर पर जिला संयोजक महिला विंग डॉ यामिनी सिंह, आराधना चौहान, पूनम जायसवाल,स्वाति सरोज, शिल्पी सरोज, कीर्ति मौर्या, जिला कैडर सह प्रभारी प्रदीप चौहान, जिला आई टी सेल प्रभारी संदीप चौधरी, जिला संगठन मंत्री अरविंद यादव,जय सिंह यादव, सौरभ श्रीवास्तव, श्याम बहादुर यादव, मनीष यादव, राहुल शर्मा, डॉ कृपा निधि यादव, प्रदीप उपाध्याय, सूरज कन्नौजिया, लाल चन्द्र चौरसिया, शान्ति प्रताप सिंह, अमरजीत आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजक चन्दन सिंह एवं संचालन जिला कोषाध्यक्ष नन्द लाल पुष्पक ने किया।

पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती मनाई गई

मुहम्मद आरिफ

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के श्रीकांतपुर/तहबरपुर, समाजिक न्याय और किसान संगठनों ने पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती पर श्रीकांतपुर, तहबरपुर, आजमगढ़ में जनसभा की। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने मंडल कमीशन लागू करके देश की सबसे बड़ी पिछड़ी आबादी को उसका हक-अधिकार दिलाया। आज जब देश में जन आंदोलनों के दबाव में आजाद भारत की पहली जातिगत जनगणना होने जा रही है तो उसका श्रेय वीपी सिंह को भी जाता है। वीपी सिंह कॉरपोरेट गठजोड़ के खिलाफ अंतिम दम तक लड़ते रहे। विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के एकलौते प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने पद से हटने के बाद भी अपनी आंदोलनकारी भूमिका नहीं छोड़ी। वीपी सिंह सच्चे मायनों में समाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध थे जिन्होंने अपनी जाति की परवाह किए बगैर राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण दस्तावेज मंडल कमीशन को लागू किया। वीपी सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि यह होगी कि जिस मंडल कमीशन की एक सिफारिश को उन्होंने लागू किया उसकी सम्पूर्ण सिफारिशों को लागू किया जाए। कार्यक्रम को किसान नेता राजीव यादव, एनएपीएम के राज शेखर, पूर्वांचल किसान यूनियन से वीरेंद्र यादव, महेंद्र यादव, अधिवक्ता विमला यादव, हरेंद्र, दयाराम साहनी, पूर्व फौजी चंद्रेश यादव, दिनेश यादव, सत्यम प्रजापति, मनोज यादव, राजेश यादव, पेरियार शिवशंकर ने संबोधित किया। कार्यक्रम में सरोज यादव, पूर्वांचल किसान यूनियन से प्रेमचंद भारती, अधिवक्ता विनोद यादव, सोशलिस्ट किसान सभा से साहबदीन, सोशलिस्ट किसान सभा से नंदलाल यादव, हीरालाल यादव, कुलदीप, ज्ञानेंद्र प्रजापति, मनीष यादव, रामदुलार चौहान, जय प्रकाश मास्टर शामिल हुए और कार्यक्रम की अध्यक्षता नंदकुमार निषाद ने किया।

कनिष्ठ सहायक/ कनिष्ठ लिपिक की परीक्षा के संदर्भ में बैठक हुई संपन्न, परीक्षा 29 जून को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में तथा सचिव उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग अवनीश कुमार सक्सेना की उपस्थिति में 29 जून 2025 को आयोजित होने वाले कनिष्ठ सहायक/ कनिष्ठ लिपिक की परीक्षा के संदर्भ में बैठक तथा कार्यशाला कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अंतर्गत कनिष्ठ सहायक/ कनिष्ठ लिपिक की परीक्षा 29 जून 2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से मध्याह्न 12:00 तक आयोजित होना है।

जनपद में कुल 20 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी, जहां कुल 8972 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा को सकुशल संपादित कराए जाने हेतु 20 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा 20 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। परीक्षा को निर्विघ्न तथा पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए जाने हेतु अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयवर चौहान को नोडल नामित किया गया है तथा नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह को सह नोडल नामित किया गया है,जिलाधिकारी तथा सचिव द्वारा परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा के गाइडलाइन के अनुसार सभी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा को संपन्न कराया जाए। केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित परीक्षा में लगाए गए सभी कार्मिक ससमय केंद्र स्थल पर पहुंच जाए। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, सुरक्षा, पर्याप्त प्रकाश, इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके साथ ही सख्त निर्देश दिए गए कि अभ्यर्थियों सहित परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने वाले सभी लोगों का बायोमेट्रिक अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इस अवसर पर समन्वय पर्यवेक्षक संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 राम अक्षयबर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ललित गर्ग समाज संवाद रत्न अवार्ड से सम्मानित

दिल्ली। प्रख्यात लेखक, पत्रकार, स्तंभकार एवं समाजसेवी श्री ललित गर्ग को उनकी उल्लेखनीय सामाजिक समरसता, संवाद और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित सेवाओं के लिए लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने ह्यसमाज संवाद रत्न सम्मानह्न प्रदत्त कर सम्मानित किया। मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सभागृह में प्रख्यात संत स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी के सान्निध्य एवं महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित ह्लसंवाद से समाधान-एक परिचर्चाह्न समारोह में यह सम्मान प्रदत्त किया गया। श्री ओम बिरला ने श्री गर्ग की नैतिक एवं स्वस्थ लेखन की प्रतिबद्धता की चर्चा करते हुए कहा कि श्री गर्ग सृजनशील प्रतिभा हैं, उनके लेखन में जीवंतता है और वर्तमान समस्याओं का सजीव चित्रण है। इस समारोह में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री मिलिंद देवरा तथा महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति श्री राम शिंदे की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी ने कहा कि श्री ललित गर्ग समाज एवं राष्ट्र की एक विशिष्ट प्रतिभा है। साहित्य, पत्रकारिता और जनसंपर्क की दृष्टि से इनकी समाज को विशिष्ट सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। देवेन्द्र ब्रह्मचारी ने गर्ग से अपने लंबे संपर्कों की चर्चा करते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय स्तर पर नियमित लेखन करने वाले पत्रकारों में अग्रणी हैं। श्री गर्ग को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि आपका सम्मान प्रतिभा के साथ-साथ संस्कारों का भी सम्मान है। विदित हो गर्ग को राष्ट्रीय अणुव्रत लेखक पुरस्कार, महाप्रज्ञ प्रतिभा पुरस्कार, राष्ट्रीय चेतना पुरस्कार, सृजन गौरव पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। श्री गर्ग पिछले चार दशक से राष्ट्रीय स्तर पर लेखन और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदत्त करते हुए महावीरायतन फाउंडेशन, अणुव्रत आंदोलन, जैन समाज और आदिवासी जनजीवन के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। विदित हो वर्तमान में श्री गर्ग सुखी परिवार फाउंडेशन के अध्यक्ष, सूर्यनगर एज्यूकेशनल सोसायटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादक हैं। श्री गर्ग राजधानी दिल्ली की विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हैं। श्री गर्ग पिछले तीन दशक से राष्ट्रीय स्तर पर लेखन और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदत्त करते हुए हिन्दी की उल्लेखनीय सेवाएं कर रहे हैं एवं पूर्व में गृह मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रभाषा समिति के सदस्य रहे हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मीडिया प्रकोष्ठ एवं विद्या भारती संगठन के साथ जुड़े हैं।

बस की छत से गिरकर खलासी की मौत

मेंहनगर। खलासी का काम कर रहे कम्हरिया गांव निवासी चंद्रशेखर सिंह उर्फ राजन (50) की रविवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी और बच्चे रो-रोकर कहते रहे अब केकरे भरोसे जिअल जाई...। पत्नी व बच्चों का विलाप देख सभी की आंखें नम हो जा रही थी। सभी उन्हें ढाढ़स बंधाने में जुट रहे। मेंहनगर थाना क्षेत्र के कम्हरिया गांव निवासी चंद्रशेखर सिंह खलासी का काम करते थे। वह जिस बस में खलासी थे, वह मऊ के मधुबन बाजार से होकर चिरैयाकोट, खरिहानी होते हुए वाराणसी जाती है। रविवार की शाम जब बस वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र में पहुंची, तो एक यात्री का सामान उतारते समय चंद्रशेखर सिंह बस की छत से उतर रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद बस चालक और उनके पुत्र ने उन्हें कबीरचौरा स्थित वाराणसी के अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे, लेकिन देर रात इलाज के दौरान चंद्रशेखर ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही पत्नी सरिता व एक बेटा व बेटी का रो-रोकर हाल बेहाल हो गया है। पत्नी का विलाप सुनकर मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

शिकायत का जिलाधिकारी ने लिया त्वरित संज्ञान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जून 2025 जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के समक्ष पीआरडी के एक जवान द्वारा शिकायत की गई की खतौनी प्रविष्टि के लिए सदर तहसील में बिचौलियों द्वारा पैसे की माग की जा रही है जिसपर जिलाधिकारी द्वारा तहसील सदर का निरीक्षण किया गया।इस दौरान पीआरडी के जवान की शिकायत का त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा तत्काल खतौनी को बनवाते हुए शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराया गया। इस प्रकरण के दृष्टिगत ज़िलाधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त तहसीलों के उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को निर्देशित किया कि किसी भी तहसील में बिचौलिए की भूमिका को किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा अगर किसी भी तहसील में इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित उप जिलाधिकारी और तहसीलदार उत्तरदाई होंगे। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की स्पष्ट निर्देश है कि आम जनमानस के कार्य को पारदर्शी ढंग से त्वरित गति से किया जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संचारी रोग नियंत्रण में किसी की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त – जिलाधिकारी

सुरेश गांधी

वाराणसी। डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, टीबी सहित वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए वाराणसी में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण माह चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरविभागीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग समेत सभी 13 विभागों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ह्लइस अभियान में किसी भी विभाग की लापरवाही क्षम्य नहीं होगीह्न सभी विभाग तीन दिन के भीतर अपना माइक्रोप्लान बनाकर प्रस्तुत करें और शत-प्रतिशत कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर निगम और ग्राम विकास विभाग को निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी जलभराव या गंदगी न होने पाए। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग, एंटी-लार्वा छिड़काव, साफ-सफाई और जल निकासी पर तत्काल कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अप्रैल माह के अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकताओं की लापरवाही सामने आई थी, जिसे इस बार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहर की सीडीपीओ को इस संबंध में पहले ही कड़ी हिदायत दी जा चुकी है।

1 जुलाई से शुरू होने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान के साथ ही 11 जुलाई से ह्यदस्तक अभियान शुरू होगा, जिसमें आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी। रोगियों की पूरी जानकारी ई-कवच पोर्टल पर अपलोड की जाएगी और इसकी मॉनिटरिंग भी की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने बताया कि अभियान के तहत टीमें डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, टीबी सहित संक्रामक रोगों के संभावित मरीजों की पहचान करेंगी। सीएमओ ने स्टॉप डायरिया नियंत्रण अभियान के बारे में भी जानकारी दी, जो आगामी दो माह तक चलेगा। बैठक में एसीएमओ, जिला मलेरिया अधिकारी, सभी ब्लॉकों के चिकित्सा अधिकारी, सीडीपीओ, यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाकर संपत्ति और मृतक आश्रित का हक हड़पने की साजिश ,विधवा ने महिला आयोग से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला सुवर्णा सिंह ने उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता बिंद को प्रार्थना-पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रार्थिनी ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके पति स्व. धीरेन्द्र प्रताप सिंह, जो राष्ट्रीय इंटर कॉलेज जमुहाई में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत थे। का निधन इलाज के दौरान 24 अप्रैल 2025 को लखनऊ स्थित संजय गांधी पीजीआई में हुआ। लेकिन चचेरे जेठ (कॉलेज मैनेजर) आदि लोगो ने एक साजिश के तहत झूठा मृत्यु प्रमाण-पत्र तैयार करवा लिया। जिसमें मृत्यु स्थल जमुहाई दिखाया गया है।सुवर्णा सिंह ने बताया कि धीरेन्द्र सिंह का पूर्व विवाह गायत्री सिंह से हुआ था। लेकिन बाद में न्यायालय से विधिवत तलाक लेकर धीरेन्द्र सिंह ने सुवर्णा सिंह से विवाह किया और उनके एक पुत्र ओशो सिंह भी हैं। इलाज के दौरान सुवर्णा सिंह ने अपने पति को मुंबई और लखनऊ के प्रतिष्ठित अस्पतालों में भर्ती कराया। लेकिन तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर रह्नह्नह्नलखनऊ में उनका निधन हो गया।

प्रार्थिनी का आरोप है कि मृतक धीरेन्द्र सिंह की सरकारी सेवा से जुड़ी आश्रित सूची में अपना और अपने पुत्र का नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन देने पर कॉलेज के मैनेजर ने अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और कॉलेज से भगा दिया। बाद में जानकारी मिली कि उक्त लोगों ने साजिशन फर्जी हलफनामा, गवाही और मृत्यु प्रमाण-पत्र तैयार कराकर सरकारी अभिलेखों में मृत्यु स्थल जमुहाई दर्शाया, ताकि सुवर्णा सिंह को मृतक आश्रित का लाभ न मिल सके। सुवर्णा सिंह का यह भी आरोप है कि विपक्षियों को प्रदेश सरकार के एक मंत्री का संरक्षण प्राप्त है,जिससे स्थानीय प्रशासन कार्यवाही से बच रहा है। पीड़िता ने महिला आयोग से अनुरोध किया है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराकर फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों पर एफआईआर दर्ज कराई जाए और उन्हें व उनके पुत्र को न्याय व सुरक्षा दिलाई जाए।

चचेरे भाई के साथ भागी विवाहिता,थाने में हुई शादी

मिजार्पुर। मिजार्पुर के राजगढ़ में डेढ़ महीने पहले पति को पनीर लेने के लिए बाजार भेजकर चचेरे भाई के साथ भागी विवाहिता को पुलिस ने मंगलवार को वाराणसी से पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली है। राजगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक की पहली पत्नी का निधन हो गया था। फिर 14 साल पहले उसने सोनभद्र की एक युवती से दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी का चचेरा भाई अक्सर उसके घर आता था। इसी दौरान दोनों में प्रेम हो गया। करीब डेढ़ महीने पहले विवाहिता अपने पति को पनीर लेने के लिए बाजार भेजकर चचेरी भाई के साथ भाग गयी थी। पति की तहरीर पर राजगढ़ पुलिस मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। मंगलवार को पुलिस ने वाराणसी के गोदौलिया से विवाहिता और उसके प्रेमी को पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को राजगढ़ थाने ले आई। विवाहिता ने पुलिस को बताया कि दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली है। इस संबंध में उसने साक्ष्य भी सामने रखा। थानाध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि विवाहिता और उसके चचेरे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। महिला के परिजनों को बुलाया गया है। घर से भागे प्रेमी युगल की थाने में हुई शादी चुनार क्षेत्र के एक गांव से दो दिन पहले घर से भागे प्रेमी युवक का मंगलवार को चुनार कोतवाली स्थित राधा कृष्ण मंदिर में शादी कराई गई। इस मौके पर पुलिस के साथ दोनों के परिजन भी मौजूद रहे। युवती के पिता ने 23 जून को बेटी के लापता होने की तहरीर दी थी। पुलिस की जांच में पता चला की युवती वाराणसी निवासी अपने प्रेमी के साथ गई है। मंगलवार को चुनार पुलिस दोनों को पकड़कर थाने ले आई और उनके परिवार के लोगों को बुलाया। थाने में काफी देर तक पंचायत हुई। प्रेमी-प्रेमिका की जिद के आगे दोनों के परिवार वाले उनकी शादी पर सहमत हो गए।

युवक ने ट्रेन के सामने कूद कर लगाया मौत को गले,परिवार मच गया कोहराम

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ थाना क्षेत्र के पंचकोशी रेलवे क्रॉसिंग के समीप युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। घटनास्थल पर जुटे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं परिजनों को इसकी जानकारी दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। चौबेपुर थाना क्षेत्र के राजापुर कमौली गांव निवासी अमन उर्फ काजू राजभर (28 वर्ष) मंगलवार की दोपहर सारनाथ के पंचक्रोशी रेलवे क्रासिंग के समीप पहुंचा। उसने किसी ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ परिजनों को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि युवक मानसिक तनाव में था। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा की व्यवस्था दुरुस्त ना होने के कारण ऐसी घटनाएं अब आम बात हो गई हैं।

सेल्फी के चक्कर में गई युवक की जान,गंगा-गोमती संगम पर नहाते समय युवक डूबा

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी मार्कंडेय घाट पर स्नान करते समय एक युवक पैर फिसलने से डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ मार्कंडेय महादेव मंदिर कैथी में दर्शन पूजन करने आया था। साथियों ने चिल्लाना शुरू किया तो स्थानीय मल्लाहों ने तलाश शुरू की बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। दोस्तों संग करने आया था दर्शन बरैछाबीर थाना चंदवक जौनपुर का निवासी अजय यादव का बेटा, हर्ष यादव ऊर्फ नितिन 17 बुधवार को अपने दोस्तों के साथ बनारस आया था। उसके साथ उसके गांव के ही अजय यादव, प्रिंस यादव भी थे।

दोपहर में यह लोग वाराणसी के मार्कंडेय महादेव मंदिर दर्शन पूजन गंगा स्नान करने पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित किया बुधवार दोपहर में यह लोग स्नान करने के लिए नदी में उतरे थे। तभी उसका पैर गहरे गड्ढे में फिसल गया जिससे वह डूब गया। दोस्तों ने शोर मचाया और पुलिस को भी सूचना दी।

पुलिस ने पहुंचकर गोताखोरों की मदद ली। दो घंटे तक गोताखोरों की तलाश के बाद किशोर का शव बरामद हुआ। पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरपतपुर भेजा जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष रविकांत मलिक ने बताया कि शव का पंचनामा भर कर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया गया। परिजनों को सूचना दी गई है वह लोग पहुंच रहे होंगे। दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था हर्ष यादव हर्ष इस साल 12वीं की परीक्षा पास कर चुका था। वह अपने दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

अनियंत्रित वैन ने महिलाओं और बच्चों को रौंदा

आगरा (उत्तरशक्ति)। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के खड़वाई गांव में मंगलवार शाम साढ़े सात बजे बेकाबू कार ने महिलाओं और बच्चों को रौंद दिया। इस हादसे में 15 महिलाएं और 3 बच्चे घायल हो गए।

गनीमत रही कोई जनहानि नहीं हुई। महिलाएं गांव में पारंपरिक कुआं पूजन के लिए रुनकता-रायभा मार्ग से होकर जा रही थीं। तभी अचानक एक तेज रफ्तार इको वैन ने नियंत्रण खो दिया।

वैन सीधे भीड़ में जा घुसी। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सभी का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालात का जायजा लिया और घायलों से बातचीत की।